पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-V

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

Semester- 2

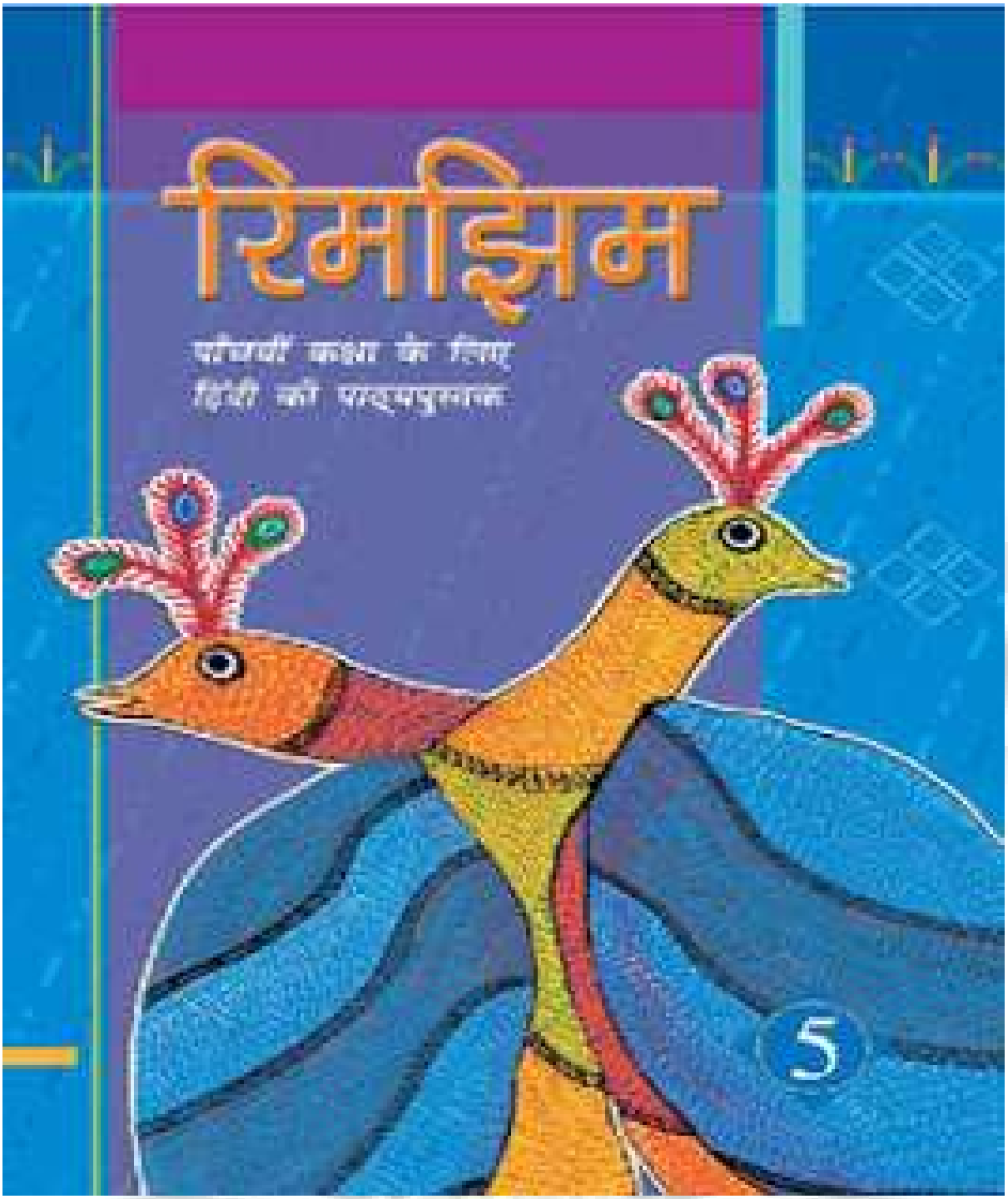
रिमझिम
पाँचवीं कक्षा के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक
5

पाठ-१० एक दिन की बादशाहत

-जीलानी बानो(अनुवाद-लक्ष्मीचंद्र गुप्त)

* कठिनशब्द

१: तरकीब
२: खिदमत
३: दरखास्त
४: पाबंदी
५: आपा
६: तकरार
७: गुसलखाना
८: हुक्म

* शब्दार्थ

१: पाबंदी-रोक
२: तकरार-झगड़ा
३: दरखास्त-प्रार्थना
४: खिदमत-सेवा में
५: ऊधम-शोर
६: आपा-बड़ी बहन
७: बेबस-लाचार
८: गुसलखाना-स्नानघर
९: खून का घूँट पीना-गुस्सा दबा देना
१०: इम्तिहान- परीक्षा
११: मुआयना-जाँच करना
१२: निहायत-बिल्कुल
१३: हुक्म-आदेश
१४: हर्ज-नुकसान

* अति लघु उत्तरीय प्रश्न

१)आरिफ़ और सलीम सुबह-सुबह कैसे सपने देखते थे?

उ-आरिफ़ और सलमि को सुबह कव्वाली गाने या आइस्क्रीम खाने के सपने देखते थे।

२)अम्मी के अधिकार किसके द्वारा छिने गए थे?

उ-अम्मीके अधिकार आरिफ और सलीम द्वारा छिने गए थे।

३)दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद क्या-क्या करती थीं?

उ-दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद दवाईया खाती और बादाम का हरीरा पीती थी।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१ आरिफ़-सलीम ने मिलकर अबबा के सामने क्या दरखास्त रखी?

उ-आरिफ़-सलीम ने अबबा के सामन दरखास्त रखी कि, "एक दिन के लिए बड़े बच्चे बने और बड़ो के अधिकार बच्चों को दिए जाए।

२ आरिफ़ ने अपनी योजना की शुरुआत कैसे की?

उ-आरिफ़ ने बहुत सवेर अपनी अम्मी को झिंझोड कर योजना की शुरुआत की।

३ सलीम ने अबबा क हुलिय की किस प्रकार से आलोचना की?

उ-सलीम ने अबबा के हुलिये के बारे में बताया कि बाल बढ़े हुए है,शेव बनाई नही है, कपड़े मेले हैं।"

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

१-सलीम ने अम्मी को टोककर क्या कहा? अम्मी को खाना छोड़कर गुसलखाना क्यों-जना पड़ा?

उ-सलीम ने अम्मी को टोकते हुए कहा कि आपके दाँत कितने गंदे हो रहे है। जिसे -

स्नकर अम्मी झेप गई और खाना छोड़कर गुसलखाने की और चल दी।

२ अब्बा का हँसते-हँसत बुरा हाल क्यों हो गया?

उ-अब्बा का हँसते-हँसते बुरा हाल हो गया क्योंकि आरिफ़ ने अबबा की अच्छे से नकल उतारी थी।

(व्याकरण-विभाग)

***मुहावरे-**

वह वाक्य या वाक्यांश जो अपना साधारण अर्थ छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है, उसे मुहावरा कहते हैं।

- **अंक भरना –** स्नेह से लिपटा लेना
- **अंग टूटना** – थकान से दर्द होना
- **अंगार बनना** – लाल होना या क्रुद्ध होना
- **अंगारों पर पैर रखना** – जानबूझकर हानिकारक काम करना
- **अंगारों पर लोटना** – दुःख सहना
- **अंगूठा दिखाना –** वक्त पर घोखा देना
- **अंचरा पसारना** – याचना करना या माँगना
- **अण्टी मारना** – चाल चलना
- **अण्ड-वण्ड कहना** – भला बुरा कहना
- **अंधाधुंध लुटाना** – बिना विचारे खर्च करना
- **अँधा बनना** – आगे पीछे कुछ न देखना
- **अँधा बनाना** – धोखा देना
- **अँधा होना –** विवेक भ्रष्ट हो जाना
- **अंधे की लकड़ी** – एक ही सहारा होना
- **अंधेर खाता** – अन्याय
- **अंधेरनगरी** – ऐसी जगह जहाँ धांधली का बोलबाला हो
- **अक्ल पर पत्थर पड़ना** – बुद्धि भ्रष्ट होना
- **अक्ल की दुम** – अपने को बड़ा होशियार समझने वाला
- **अगले ज़माने का आदमी** – सीधा सादा या ईमानदार
- **अड़ियल टट्टू** – अटक अटक कर या मुँह जोहकर काम करने वाला
- **अढ़ाई दिन की हुकूमत** – कुछ दिनों की शानोशौकत
- **अन्न जल उठना** – रहने का संयोग न होना या मर जाना
- **अन्न लगना** – स्वस्थ्य रहना
- **अपना उल्लू सीधा करना –** अपना काम निकालना
- **अपना किया पाना** – कर्म भोगना
- **अपना सा मुँह लेकर रह जाना** – शर्मिंदा होना
- **अपनी खिचड़ी अलग पकाना** – अलग रहना या स्वार्थी होना

- **अपने पाँव आप कुल्हाड़ी मारना** – संकट मोल लेना
- **अपने पैरों खड़ा होना** – स्वावलम्बी होना
- **अपने मुँह मिया मिट्ठू होना** – अपनी तारीफ खुद करना
- **अब-तब करना** – बहाना करना
- **अब-तब होना** – परेशां करना या मरने के करीब होना
- **आँच न आने देना** – जरा भी कष्ट न होने देना
- **आठ-आठ आँसू रोना** – बुरी तरह पछताना
- **आसान डोलना** – विचलित या लुब्ध होना
- **आस्तीन का साँप** – कपटी मित्र
- **आसमान टूट पड़ना** – बहुत बड़ा संकट पड़ना
- **आँखें खुलना** – होश आना या सावधान होना
- **आँखें चार होना** – आमने सामने होना

लेखन-विभाग

* पत्र-लेखन

विद्यालय में पीनेकेपानीकी उचित व्यवस्था करानेहेतु प्रधानाचार्याजी को प्रार्थना पत्र लिखिए।

दिनांक-:१२-१०-२०२०

पुज्यनीयप्राचार्य,

संत केव्स्कूल, मुम्बई

आदर नियप्राचार्यमहोदय,

मैंने यह पत्र आपको ये सूचित करने हेतु लिखा है कि , हमारे विद्यालय में पानी की बहुत बड़ी समस्या उत्पन हो गयी है, और ये समस्या पहली बार नहीं, हर गर्मीके मौसम में उत्पन होती है, हमारे स्कूल में नल और सिर्फ चापाकल है , और विद्यार्थियों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है , जिसके वजह से गर्मी के मौसम में हमें पानी पीने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता है, और आज कल हमारे स्कूल की पानी भी अच्छी नहीं रही है, कभी कभी पानी में से गंध आने लगती है । इसलिए में आपसे निवेदन करता हूँ की कृपया आप इस समस्याका निवारण करे।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

आदित्यसिंह।

* गतिविधि-आरिफ़ और सलीम का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-११ चावल की रोटियाँ

लेखक- पी औंगखिन (अनुवाद : मस्तरामकपूर)

* कठिनशब्द

१ प्रबंधक
२ दस्तकदेना
३ बदकिस्मती
४ नेकी
५ एतराज़
६ तश्तरी

* शब्दार्थ

१ प्रबंधक- व्यवस्था करनेवाला
२ दस्तकदेना-दरवाज़ा खटखटाना
३ भुक्खड़- भूखा
४ बद किस्मती- बुरी किस्मत
५ इर्द-गिर्द-आसपास
६ नेकी-भलाई
७ एतराज़-आपत्ति, परेशानी

*** अति लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ कोको के माता-पिता किस काम से, कहाँ गए थे?

उ-कोको के माता-पिता धान लगाने खेत में गए थे।

२ कोको ने पहली बार रोटियाँ छिपाकर कहाँ रखी थीं?

उ-कोको ने पहली बार रोटियाँ रेड़ियों के पिछे छिपा के रखी थी।

३ मिमि को पापड़ खाते हुए कैसी आवाज़ सुनाई दी?

उ-मिमि को पापड़ खाते समय हल्की सी गुड़गुडाने की आवाज़ सुनाई दी।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ कोको ने नीनी के आने पर दरवाज़ा देर से क्यों खोला?

उ-नीनी के आने पर कोको ने देर से दरवाज़ा खोला क्योंकि उसे चावल की रोटियाँ - छिपानी थी।

२ नीनी कोको के घर क्यों गया था?

उ-नीनीकोकोके घर परीक्षा की खास खबर सुनने गया था।

३ कोको ने घर में चूहे के घुसने की बात किससे की और क्यों?

उ-कोको का पेट भूख से गुड़गुड़ा रहा था। उसने मिमि से झूठ कहा कि घर में चूहा आ गया है।वही ये आवाज़ खड़बड़-गड़गड़ कर रहा है।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१ कोको ने रेडियो खराब होने और उसमें करंट आने की बात किससे कही और क्यों?

उ-कोको ने रेडियो खराब होने की बात नीनी से कही थीं क्योंकि रेड़ियो के पीछे कोको ने रोटियाँ छिपाई थी इसलिए कोको ने कहा रेड़ियो खराब है उसमें करंट आ रहा है।

२ कोको दवारा बार-बार रोटियाँ छिपाने का क्या कारण था?

उ-कोको को बहुत भूख लगी थी, उसकी मम्मी उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रख गई थी। बार-बार कोई न कोई उसके घर का दरवाज़ा खटखटाता था। कोको किसी-के साथ मिलबाँट कर रोटियाँ खाना चाहता था, इस कारण उसे रोटियाँ छिपानी पड़ती थी।

३ कोको का फूलदान क्यों बदल गया? उससे उसे क्या नुकशान उठाना पड़ा?

उ-कोको की माँ ने दुकानदार से नीला फूलदान माँगा था, परंतु दुकानदार ने कुछ समय के लिए गुलाबी रंग का फूलदान दे दिया था। कोको ने जब रोटियाँ छिपाई थी तभी दुकान का मैनेजर आकर नीले फूलदान रख गया और गुलाबी फूलदान वापस ले गया, इस तरह रोटियाँ भी साथ चली गई।

व्याकरण-विभाग

* किया-

जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना व्यक्त हो उन्हें क्रिया कहते हैं।

जैसे- रोया, खा रहा, जायेगा आदि। उदाहरणस्वरूप अगर एक वाक्य 'मैंने खाना खाया' देखा जाये तो इसमें क्रिया 'खाया' शब्द है।

'इसका नाम मोहन है' में क्रिया 'है' शब्द है।

1 अकर्मक क्रिया : जिस क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़ता है वह क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती हैं। इस क्रिया में कर्म का अभाव होता है।

जिन क्रियाओं का फल और व्यापर कर्ता को मिलता है उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे : श्याम पढता है।

- **राजेश दौड़ता है।**
- **सांप रेंगता है।**
- **पूजा हंसती है।**
- **मेघनाथ चिल्लाता है।**
- **रावण लजाता है।**
- **राम बचाता है।**

2 सकर्मक क्रिया: जिस क्रिया में कर्म का होना ज़रूरी होता है वह क्रिया सकर्मक क्रिया कहलाती है।

इन क्रियाओं का असर कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है। सकर्मक अर्थात कर्म के साथ।

जैसे : विकास पानी पीता है। इसमें पीता है (क्रिया) का फल कर्ता पर ना पडके कर्म पानी पर पड़ रहा है।

अतः यह सकर्मक क्रिया है।

- रमेश फल खाता है।
- सुदर्शन गाडी चलाता है।
- मैं बाइक चलाता हूँ।
- रमा सब्जी बनाती है।
- सुरेश सामान लाता है।

लेखन–विभाग

* निबंध–प्रिय खेल – **क्रिकेट**

भारत में क्रिकेट का खेल कई वर्षों से खेला जा रहा है, यह एक काफी प्रसिद्ध तथा रोमांचक खेल है। इसे खेल को बच्चों द्वारा काफी पसंद किया जाता है सामान्यतः छोटे मैदान, सड़क जैसे आदि जैसे किसी भी छोटे खुले स्थानों पर उनकी क्रिकेट खेलने की आदत होती है।

बच्चे क्रिकेट और उसके नियम-कानूनों के बारे में जानकारी के शौकीन होते है। भारत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाले में खेलों में क्रिकेट सबसे अधिक प्रसिद्ध है। लोगों में क्रिकेट की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि इस खेल को देखने के लिए दर्शकों की जितनी भीड़ स्टेडियम में जाती है उतनी शायद ही किसी दूसरे खेल में जाती हो।

क्रिकेट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों द्वारा पर खेला जाने वाला एक पेशेवर स्तर का आउटडोर खेल है।

इस बाहर खेले जाने वाले खेल में 11 खिलाड़ियों की दो टीमें होती है। क्रिकेट तब तक खेला जाता है जब तक 50 ओवर पूरे न हो जाए। इससे जुड़े नियम-कानून का संचालन तथा नियमन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और मेर्लबोर्न क्रिकेट क्लब द्वारा किया जाता है। यह खेल टेस्ट मैचों और एक दिवसीय तथा टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के रुप में खेला जाता है।

सर्वप्रथम यह खेल 16वीं शताब्दी के दक्षिणी इंग्लैंड में खेला जाता था। हालाँकि 18वीं शताब्दी के दौरान इसका विकास इंग्लैंड के राष्ट्रीय खेल के रुप में हुआ।

भारत में छोटे बच्चे इस खेल के दिवाने है और वह इसे छोटी सी खुली जगहों में खेलते है, खासतौर से सड़क और पार्क में। अगर इसे रोज खेला और अभ्यास किया जाये तो ये बहुत ही आसान खेल है। क्रिकेट खिलाड़ियों को अपने खेल में सुधार लाने के लिये रोज अभ्यास की

जरूरत पड़ती है जिससे वो छोटी-छोटी गलतियों को दूर कर सकें और पूरे प्रवाह के साथ इसे खेल सकें।

* गतिविधि- चावलकी रोटियाँ का अथवा कोको का चित्र बनाओ अथवाचिपकाओ।

कविता-१२ गुरु औरचेला

कवि-सोहनलाल दविवेदी

* कठिनशब्द

१ चेला
२ विवश
३ हाट
४ खता
५ करतब
६ कज़ा
७ भिश्ती
८ गफ़लत
९ हिकमत
१० जल्लाद

* शब्दार्थ

१ चेला–शिष्य
२ धेला–पैसा
३ डगरी–राह, रास्ता
४ गगरी–घड़ा
५ सुयश–प्रसिद्धि
६ विवश–मजबूर
७ हाट–बाजार
८ खता–गलती
९ कज़ा–मृत्यु
१० भिश्ती–पानी ढ़ोने वाला
११ गफ़लत–भूल
१२ हिकमत–चतुराई
१३ जल्लाद–फाँसीचढ़ानेवाला
१४ दनादन–जल्दी–जल्दी
१५ बिरानी–परायी

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१ चेले ने किसकी कौन–सी बात नहीं मानी?

उ–चेले ने गुरु की बात नहीं मानी कि इस अंधेर नगरी में एक पल भी नहीं रहना चाहिए।

२ राजा ने संतरी को बुलाकर क्या पूछा?

उ–राजा ने संतरी को बुलाकर पूछा कि, "यह दीवार कैसे गिरी, इस दीवार को किसने बनाया।"

३ दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले किसे, क्या सज़ा सुनाई गई?

उ–दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले कारीगर को सज़ा सुनाई गई।

४ मशक वाले ने किसे दोष दिया?

उ–मशक वाले ने मंत्री को दोषी ठहराया।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरु ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उ–अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरुजी ने कहा यहाँ रहना खतरे से खाली नहीं है, जहाँ सभी चीजें टके सेर बिकती हो।

२ अंधेर नगरी में स्थित हाट की क्या विशेषता थी?

उ–अंधेर नगरी में स्थित हाट में सभी वस्तु टके सेर बिकती थी। मिठाई हो, भाजी हो, जीरा हो, ककडी हो, सभी किंमती मामूली वस्तु का एक ही मूल्य टके से।

३ भिश्ती को फाँसी क्यों दी जा रही थी?

उ–भिश्ती ने दीवार बनाने का गारा ज्यादा गीला कर दिया था।जिससे दीवार कमजोर रही और गिर गई। इसी दोष के लिए भिश्ती को फाँसीदी जा रही थी।

४ मंत्री की जान कैसे बची?

उ–मंत्री बहुत पतला–दुबला था। फाँसी का फंदा बड़ा बना जो मंत्री की गर्दन में नहीं बैठ रहा था। इस तरह मंत्री की जान बची।

व्याकरण–विभाग

*** काल– काल का अर्थ होता है – समय। क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं। अथार्त कार्य – व्यापार के समय और उसकी पूर्ण और अपूर्ण अवस्था के ज्ञान के रूपांतरण को काल कहते हैं।**

(1) भूतकाल: **भूतकाल का अर्थ होता है बिता हुआ। क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का पता चले उसे भूतकाल कहते हैं। अथार्त जिस क्रिया से कार्य के समाप्त होने का पता चले उसे भूतकाल कहते हैं। इसकी पहचान वाक्यों के अंत में था , थे , थी आदि से होती है।**

- **वह जा चुका था|**
- **मैं ट्रेन में बैठा था|**
- **बल्ब जल रहा था|**
- **मीना उसे मार रही थी|**
- **वह परीक्षा के लिए जा रहा था|**
- **राम जा रहा था|**
- **श्याम जा रहा था|**
- **ट्रेन ने रफ्तार पकड़ ली थी|**
- **गाड़ी चल रही थी|**

वर्तमान काल : **क्रिया के जिस रूप से यह पता चले की काम अभी हो रहा है उसे वर्तमान काल कहते हैं। अथार्त क्रिया के जिस रूप से समय का पता चले और क्रिया व्यापर का वर्तमान समय में पता चले उसे वर्तमान काल कहते हैं।**

जिन वाक्यों के अंत में ता , ती , ते , है , हैं आते हैं वो वर्तमान काल कहलाता है। क्रियाओं के होने की निरन्तरता को वर्तमान काल कहते हैं।

- **राम जा रहा है|**
- **श्याम खा रहा है|**
- **मीना उसे मार रही है|**
- **वह परीक्षा के लिए जा रहा है|**
- **गाड़ी चल रही है|**
- **मैं ट्रेन में बैठा हूँ|**
- **ट्रेन रफ्तार पकड़ रही है|**
- **घड़ी चल रही है|**

- **श्याम लिख रहा है|**
- **बल्ब जल रहा है|**

3:भ वष्य काल: **क्रिया के जिस रूप से क्रिया के आने वाले समय में पूरा होने का पता चले उसे भविष्य काल कहते हैं। इससे आगे आने वाले समय का पता चलता है। जिन वाक्यों के अंत में गा , गे , गी आदि आते हैं वे भविष्य काल होते हैं।**

- **वह चला जाएगा|**
- **मैं परीक्षा जरूर दूँगा|**
- **राम जाएगा|**
- **श्याम खाएगा|**
- **वह ट्रेन में बैठ जाएगा|**
- **ट्रेन रफ्तार पकड़ लेगी|**
- **बल्ब जल जाएगा|**
- **नहर सुख जाएगी|**
- **तुम चले जाओगे|**

लेखन–विभाग

*** कहानी–लेखन– लालच बुरी बला है ।**

एक साल पहले एक गांव में एक किसान रहा करता था। वह किसी तरह किसानी से अपना जीवन गुजार रहा था। उसकी पत्नी और बच्चे भी उसी की कमाई पर निर्भर थे। किसान मंडी में कभी – कभी थोड़ा अनाज बेच आता था। एक दिन एक गरीब आदमी किसान के यहां आया और बोला – 'मेरे घर के लोग बहुत भूखे हैं। मैं तुमसे चावल का एक बोरा चाहता हूँ परन्तु बदले में देने के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं। हां, अगर तुम मेरी इस मुर्गी के बदले चावल दे सको तो बड़ी मेहरबानी होगी?"

किसान गरीब तो था, पर दयालु भी था। वह भूख और गरीबी के मर्म को समझता था, इसलिए उसने मुर्गी के बदले चावल का सौदा कर लिया। इधर वह आदमी चावल का बोरा लादे उसे

दुआएं देता चला गया, पर उधर किसान की पत्नी ने अपने पति को इस सौदे के लिए खूब खरी – खोटी सुना डाली।

कुछ समय बीतने के बाद किसान की पत्नी ने उस मुर्गी को एक दिन 'सोने का अंडा' देते देखा, तो उसकी आंखें फटी रह गई। ऐसा तो कभी होते नहीं सुना। उसने झट से सोने का अंडा उठाकर रख लिया और दौड़कर किसान को इस चमत्कार के बारे में बताया। यह जानकर किसान भी खुश हुआ। उसने वह अंडा शहर जाकर बेचा तो खूब धन मिला।

अब मुर्गी रोज सोने का एक अंडा देती और किसान उसे शहर जाकर बेच आता। उनके दिन फिरने लगे। कभी वे अन्न बेचकर कंगाल थे, पर अब सोने का अंडा उन्हें मालामाल कर रहा था। किसान जल्दी ही धनपति हो गया। एक दिन किसान की पत्नी बौखलाई – 'यह मुर्गी बहुत ही आलसी है। यह रोज एक ही अंडा देती है, जबकि इसके पेट में तो कई अंडे हो सकते हैं? क्या तुम इससे और अंडे नहीं निकलवा सकते?' 'नहीं' किसान ने कहा – 'यह नामुमकिन है। हमें ज्यादा लालच नहीं करना चाहिए। भगवान की कृपा से जो मिल रहा है उसमें खुश रहना चाहिए।'

किसान की पत्नी का स्वभाव कुछ अलग था। वह बड़ी जिद्दी थी। एक दिन जब किसान घर पर नहीं था, तभी उसने छुरी उठाकर मुर्गी का पेट चीर दिया। मुर्गी खून से लथपथ होकर तड़प रही थी। किसान की पत्नी को उसके पेट में जब एक भी अंडा नहीं दिखा, तो वह अपना सिर पकड़ कर बैठ गई। थोड़ी देर में मुर्गी शांत हो गई, अब उन्हें कभी भी सोने के अंडे नहीं मिल सकते थे। आखिर लालच का फल बुरा जो होता है।

गतिविधि–गुरु औरचेले का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-१३ स्वामीकीदादी
लेखक-आर केनारायण

* कठिनशब्द

१ मजिस्ट्रेट
२रेशे
३ खूँखार
४बेवकूफ
५ अधीक्षक
६ ऊलजलूल
७ दफ्तर

* शब्दार्थ

१रेशे-पतले धागे
२ वर्दी-एक सीयुनिर्फाम
३ दफ्तर-कार्यालय
४ खूँखार-डरावना, खतरनाक
५ बेवकूफ- मूख
६ ऊलजलूल-बेकार की
७ मजिस्ट्रेट-दंडाधिकारी

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१ स्वामीनाथन के दादा जी किस पद पर थे?
उ-स्वामीनाथन के दादा जी सब-मजिस्ट्रेट थे।

२ राजम को गणित में कितने नंबर मिलते थे?
उ-राजम को गणित में सौ में से नब्बे नंबर मिलते थे।

३ दादी ने जो मैडल बुआ को दिया, उसका उन्होंने क्या किया?
उ-दादी ने जो मैडलबुआ को दिया, उसको गलवा कर बुआ ने चार चुड़ियाँ बनवा ली थी।

* लघु प्रश्नोत्तर

१-राजम की किससे दुश्मनी और फिर दोस्ती हुई थी? यह बात किसे, कौन बता रहा-था?

उ-राजम की मणि से पहले दुश्मनी थी फिर दोस्ती हुई यह बात स्वामीनाथन अपनी दादी को बतारहाहै।

२- स्वामीनाथन किसके पास, कौन-सी वर्दी होने की बात कर रहा था? वह वर्दी उसके पास कहाँ से आई?

उ-स्वामीनाथन दादी को बता रहा था कि राजम के पिताजी पुलिस अधिक्षक थे, इसलिए राजम के पास पुलिस की वदी है।

३-दादी किसे महा मूर्ख मानती थीं और क्यों?

उ-दादी अपनी बेटी यानी स्वामीनाथन की बुआ को महा मूर्ख मानती थी क्योंकि दादी ने जो मैडल बुआ को एक याद के लिए दिया था और बुआ ने उस मैडल को गलवा कर चार चुड़ियाँ बनवा ली थी।

*** दीर्घ प्रश्नोत्तर**

१-अपने विदयार्थी जीवन के बारे में स्वामीनाथन को किससे क्या जानकारी प्राप्तहुई?

उ-स्वामीनाथन को दादी ने दादाजीके बारे में बताया कि वह पढ़ाई में बहुत तेज थे। उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समय लगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भी चकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैडल भी मिला था।

२-राजम की वीरता की कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

उ- राजम एक छोटा, बहादुर और होशियार लड़का था। एक बार वह पिता के साथ जंगल में गया जहाँ दो शेरों से सामना हुआ। एक शेर ने पिता को गिरा दिया, दूसरे शेर ने राजम को पीछे धकेला, जिससे वह झाड़ियों के पीछे जा गिरा, वहाँ से उसने शेर पर गोली चला दी। इस तरह राजम ने एक शेर को मारा था।

३- दादी ने स्वामीनाथन को उसके दादा के उत्तर लिखने के संदर्भ में क्या बताया?

उ- दादी ने स्वामीनाथन को दादा के उत्तर लिखने के बारे में बताया कि उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समय लगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भी चकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैड़ल भी मिला था।

4-स्वामीनाथन के मन में दूसरे ही क्षण संदेह पैदा क्यों हुआ?

उ- स्वामीनाथन जब दादी को राजम की कहानी सुना रहा था तब उसे दादी का उत्तर सही न होने पर चिढ़ हुई थी। लेकिन जब दादी ने राजम को अच्छा बच्चा बताया तब स्वामीनाथन के मन में दूसरे ही क्षण संदेह हुआ कि शायद दादी को शेर की कहानी पसंद नहीं आती या इस कहानी पर दादी को विश्वास नहीं हो रहाहै।

व्याकरण-विभाग

*** वाक्य-**

- दो या दो से अ धक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहतेहैं।

उदाहरण: **श्याम पढ़ाई करता है।**

सीता खाना खाती है।

दिन ढल गया और अन्धेरा बढ़ने लगा।

प्रिय बोलो पर असत्य नहीं।

मैंने बहुत परिश्रम किया इसलिए सफल हो गया।

मैं बहुत तेज़ दौड़ा फिर भी ट्रेन नहीं पकड़ सका।

।

लेखन–विभाग

* निबंध– दशहरा

दशहरा या विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक, शौर्य का उपासक है। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला दशहरा यानी आयुध-पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है।

व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। असत्य पर सत्य की विजय - भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है।

दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारंभ करते हैं, इस दिन शस्त्र-पूजा, वाहन पूजा की जाती है।

राम और रावण का युद्ध- रावण भगवान राम की पत्नी देवी सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। भगवान राम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ

दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसलिए विजयादशमी एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

राम की विजय के प्रतीक स्वरूप इस पर्व को 'विजयादशमी' कहा जाता है।
दशहरा पर्व पर मेले- दशहरा पर्व को मनाने के लिए जगह-जगह बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है।

गतिविधि– दशहरा का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

कविता- 14 बाघ आया उस रात

- नागार्जुन

* कठिनशब्द

1- झरने
2- दफ्तर
3- कॉलेज
4- आगाह

* शब्दार्थ

1- आँखेफैलाकर- रोचक या रुचिपूर्णढ़ंग से बाते करना
2- झरना- पहाड़ी इलाको में ऊपर से गिरता पानी
3- दफ्तर- ऑफ़िस, कार्यालय
4- आगाह- चेतावनी

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- " वो इधर से निकला उधर चला गया।" यह किसने कहा?
उ- यह वाक्य बेटू ने कहा।
2- दूसरे बालक के अनुसार बालक कहाँ कहाँ काम नहीं कर सकता था?
उ- दूसरे बालक के अनुसार बालक किसी दफ्तर या कॉलेज में काम नहीं करता।
3- फिर से आगाह किसने किया?
उ- फिर से आगाह बेटू ने किया।

* लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- पहला बालक अपने बाबा को कब, कहाँ जाने से मना कर रहा था और क्यों?
उ- पहला बालक अपने बाबा को रात में बाहर जाने से मना कर रहा था क्योंकि बाघ न जाने कब फिर से वहाँ आ जाए।
2- जहाँ बाघ रहताहै उस विषय में पहले बालक ने बाबा को से क्या कहा?
उ- पहले बालक ने बाबा को बताया कि एक रोज अपन उधर गए थे, झरने के पास वही तो बाघ अपने दो बच्चों के साथ और बाघिन के साथ रहता है। बाघ या तो सोता है य बच्चों के साथ खेलताहै।

व्याकरण-विभाग

एक ही शब्द के एक से ज्यादा अर्थ निकले उसे पर्यायवाची शब्द कहते है. अर्थात किसी शब्द-विशेष के लिए प्रयुक्त समानार्थक शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं|

1. अमृत – सोम, पीयूष, सुधा, अमिय, मधु।
2. अग्नि – आग, हुताशन, अनल, पावक।
3. हवा – पवन, वायु, समीर, अनिल, बयार।

4. बादल – घटा, मेघ, अंबुद, घन।

5. आंख – नेत्र, लोचन, नयन।

6. फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रसून।

7. अंहकार – घमंड, दंभ, अभिमान, गर्व, मद।

8. सूर्य – सूरज, रवि, भास्कर, दिनकर, भानु।

9. चंद्रमा – चांद, सोम, चन्द्र, शशि।

10. घोड़ा – अश्व, तुरंग, घोटक, वाजि।

11. कुत्ता – श्वान, शुनक, कुक्कुर, सारमेव।

12. पक्षी – खग, पंछी, विहंग, विगह।

13. गंगा – भागीरथी, सुरसरी, देवनदी।

14. अंग – हिस्सा, भाग, अवयव, अंश।

15. अंधकार – अंधेरा, रात्रि, तमस, तिमिर, तम।

16. जंगल – वन, अरण्य, कानन, विपिन।

17. आकाश – अंबर, आसमान, गगन, फलक, व्योम।

लेखन-विभाग

आपके वद्यालय के वा षक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

सूचना

नाटक मंचन का आयोजन

दिनांक :24/08/2017

इस वद्यालय के सभी छात्रों को सू चत कया जाता है क वद्यालय के वा षक उत्सव में नाटक मंचन कया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अ भनय करने के इच्छुक हों, वे 03 सतंबर 2017 को अंतिम दो कालांश (Period) में स्क्रीन टेस्ट हेतु क्रया-कलाप कक्ष में उपस्थित रहें।

राकेश कुमार
छात्र स चव

गतिविधि- बाघ का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।